उत्तराखंड में पहली बार उत्तरकाशी में होगा सिलिका सैंड का खनन

जागरण संवाददाता, उत्तरकाशी : राज्य में पहली बार उत्तरकाशी जनपद में कांच उद्योग में इस्तेमाल होने वाले सिलिका सैंड का खनन होगा। इसके लिए भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग ने आठ लाट चिह्नित किए हैं, जिनमें से चार लाट की टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। अधिकारियों का कहना है कि सभी आठ लाट की टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद एक से दो वर्षों में ही जनपद को प्रतिवर्ष 20 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की उम्मीद है। दरअसल, सीमांत जनपद में अब तक होने वाली खनन गतिविधियों में आरबीएम व बजरी पर ही जोर दिया जाता है। लेकिन यह पहली बार है जब विभाग ने विज्ञानी तकनीकों के माध्मय से सिलिका सैंड याने कि ग्लास सैंड संभावित क्षेत्रों का पता कर इसके खनन को बढ़ावा देने की कवायद तेज की है, जो कि मुख्यत : कांच व अन्य निर्माण उद्योग में इस्तेमाल किया जाता है। भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के अनुसार पुरोला में सिलिका सैंड के सात व मोरी में एक लाट चिह्नित किया गया है।